DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

27 फरवरी 2023

भूल जाने का अधिकार (राइट टू बी फॉरगॉटन)

प्रसंग:

दिल्ली उच्च न्यायालय , एक डॉक्टर के अनुरोध पर भूल जाने के अपने अधिकार के कार्यान्वयन के लिए विचार करेगी।

मुख्य विशेषताएं:

- "डॉ. ईश्वरप्रसाद गिल्डा बनाम भारत संघ व अन्य" के मामले में एक प्रसिद्ध डॉक्टर शामिल है जिसने एचआईवी-एड्स के खिलाफ लड़ाई में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।
- याचिकाकर्ता का तर्क है कि उसे अपने एक मरीज की मौत के बाद गलत तरीके से गिरफ्तार किया गया था और बाद में उसे जमानत पर रिहा कर दिया गया था और निचली अदालत के आदेश में उसे बरी कर दिया गया था।
- परिणामस्वरूप, डॉक्टर ने दिल्ली उच्च न्यायालय में एक याचिका दायर की जिसमें उसने अपनी गरिमा की रक्षा के लिए आदेश या निर्देश देने का अनुरोध किया, जिसमें उसके "भूल जाने के अधिकार" का प्रयोग भी शामिल था।

राइट टू बी फॉरगॉटन के बारे में:

- "भूलने का अधिकार" सामग्री को हटाने या मिटाने का अधिकार है जिससे यह बड़े पैमाने पर जनता के लिए सुलभ न हो।
- यह किसी व्यक्ति को इंटरनेट रिकॉर्ड से समाचार, वीडियो या तस्वीरों के रूप में जानकारी को हटाने का अधिकार देता है जिससे यह सर्च इंजनों के माध्यम से दिखाई न दे।
- सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 की धारा 43ए के तहत संवेदनशील व्यक्तिगत डेटा को सुरक्षित करने में विफल रहने वाले संगठनों को प्रभावित पक्ष को नुकसान का भुगतान करना होगा।
- हालांकि, आईटी नियम, 2021 में यह अधिकार शामिल नहीं है, हालांकि, वे नामित शिकायत अधिकारी के पास शिकायत दर्ज करने की प्रक्रिया निर्धारित करते हैं।
- इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने 2019 में लोकसभा में व्यक्तिगत डेटा संरक्षण विधेयक पेश किया।

अधिकार की उत्पत्ति:

- भूल जाने का अधिकार 2014 के यूरोपीय न्यायालय के फैसले से उत्पन्न हुआ है।
- दुनिया को 1998 के एक विज्ञापन को भुलाने के लिए एक स्पेनिश व्यक्ति की खोज के बाद इसे पहली बार वहां संहिताबद्ध किया गया था।
- इसके बाद, इसे EU के जनरल डेटा प्रोटेक्शन रेगुलेशन (GDPR) में शामिल किया गया था।

न्यायालयों ने अब तक क्या कहा है?

- "जोरावर सिंह मुंडी बनाम भारत संघ" में, एक अमेरिकी नागरिक ने 2021 में दिल्ली उच्च न्यायालय से सार्वजनिक रूप से उपलब्ध सभी रिकॉर्ड को हटाने की मांग की। न्यायालय ने इसे रिकार्ड मिटाने के पक्ष में निर्णय भी दिया था।
- यदपि अधिकार को स्पष्ट रूप से भारत में कानून या क़ानून द्वारा मान्यता नहीं दी गई है फिरभी अदालतों ने बार-बार इसे अनुच्छेद 21 के तहत किसी व्यक्ति के निजता के अधिकार के लिए स्थानिक माना है।
- अदालत ने यह भी माना कि "भूलने का अधिकार" कानूनी दायित्वों के अनुपालन के लिए या सार्वजनिक हित में कार्यों के लिए अभिव्यक्ति और सूचना की स्वतंत्रता के अधिकार द्वारा सीमित किया जा सकता है।
- सार्वजनिक स्वास्थ्य, वैज्ञानिक या ऐतिहासिक अनुसंधान उद्देश्यों, या सांख्यिकीय उद्देश्यों या स्थापना के लिए "और" कानूनी दावों का

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

- ड्राफ्ट बिल के अध्याय V के प्रावधानों में से एक, जिसे खंड 20 के रूप में जाना जाता है, "राइट टू बी फॉरगॉटन" सहित "डेटा प्रिंसिपल के अधिकार" को रेखांकित करता है।

अभ्यास या बचाव "में सार्वजनिक हित के आधार पर अधिकार को प्रतिबंधित किया जा सकता है।

ग्रेट बैकयार्ड बर्ड काउंट (GBBC) 2023

प्रसंग

हाल ही में, ग्रेट बैकयार्ड बर्ड काउंट (GBBC) 2023 का भारतीय संस्करण, चार दिवसीय बर्ड वाचिंग इवेंट संपन्न हुआ।

मुख्य निष्कर्ष:

- GBBC 2023 में भाग लेने वाले 190 देशों में भारत भी शामिल था।
- उत्तराखंड और अरुणाचल प्रदेश के बाद पश्चिम बंगाल में प्रजातियों की संख्या सबसे अधिक है। केरल में पक्षियों की सबसे अधिक संख्या में चेकलिस्ट दर्ज की गई।
- महाराष्ट्र 7,414 सूचियों के साथ और तमिलनाडु 6,098 के साथ दूसरे और तीसरे स्थान पर रहा।
- पुणे के बर्डर्स ने 5,900 से अधिक सूचियाँ अपलोड कीं, जो शहरी केंद्रों में सबसे अधिक हैं।
- भारत संयुक्त राज्य अमेरिका के बाद दूसरी सबसे बड़ी संख्या में चेकलिस्ट अपलोड करता है और किसी भी देश की तीसरी सबसे बड़ी प्रजाति है।

ग्रेट बैकयार्ड बर्ड काउंट (GBBC)

- इसे 1998 में ऑर्निथोलॉजी और नेशनल ऑडबोन सोसाइटी की कॉर्नेल लैब द्वारा लॉन्च किया गया था।
- • यह जंगली पक्षियों पर डेटा एकत्र करने और निकट वास्तविक समय में परिणाम प्रदर्शित करने के लिए पहली ऑनलाइन नागरिक-विज्ञान परियोजना (जिसे सामुदायिक विज्ञान भी कहा जाता है) थी।
- 2013 में, दुनिया की सबसे बड़ी जैव विविधता से संबंधित नागरिक विज्ञान (सामुदायिक विज्ञान) परियोजना, eBird में डेटा दर्ज करने के बाद यह एक वैश्विक परियोजना बन गई।

जीबीबीसी इंडिया:

- यह एक वार्षिक कार्यक्रम है जो पक्षियों के प्रति उत्साही, छात्रों और प्रकृति के प्रति उत्साही लोगों को उन पक्षियों की गिनती के लिए साझा मंच प्रदान करता है।
- जीबीबीसी इंडिया ग्लोबल ग्रेट बैकयार्ड बर्ड काउंट का भारतीय कार्यान्वयन है, जो हर फरवरी में 4 दिनों तक चलता है।
- जीबीबीसी इंडिया का समन्वय बर्ड काउंट इंडिया (बीसीआई) द्वारा किया जाता है: बीसीआई पक्षी वितरण और आबादी के बारे में सामूहिक ज्ञान बढ़ाने के लिए मिलकर काम करने वाले संगठनों और समूहों की एक अनौपचारिक साझेदारी है।
- बीसीआई 10 वर्षों से जीबीबीसी से जुड़ा हुआ है।
- • 2013 में इस कार्यक्रम के दुनिया भर में चले जाने के बाद से भारतीय बर्डर्स ने GBBC में भाग लिया है।

संक्षिप्त सुर्खियां

अटाकामा लार्ज मिलीमीटर/सबमिली मीटर ऐरे (ALMA)

प्रसंग

अटाकामा लार्ज मिलीमीटर/सबमिलीमीटर ऐरे (ALMA) सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर अपग्रेड प्राप्त करने के लिए तैयार है।

मुख्य विशेषताएं:

- जर्नल साइंस ने हाल ही में रिपोर्ट किया है कि यह पहले से कहीं अधिक डेटा एकत्र करने और तेज छवियों का उत्पादन करने में मदद करेगा, ।
- अपग्रेड को पूरा होने में लगभग पांच वर्ष लगेंगे और इसकी लागत $37 मिलियन होगी।

अल्मा के बारे में:

- अल्मा एक अत्याधुनिक टेलीस्कोप है।
- अल्मा यूरोप, संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा, जापान, दक्षिण कोरिया, ताइवान और चिली के बीच एक अंतरराष्ट्रीय साझेदारी है।
- यह मिलीमीटर और सबमिलीमीटर तरंग दैर्ध्य पर आकाशीय पिंडों का अध्ययन करता है — वे धूल के बादलों के माध्यम से प्रवेश कर सकते हैं और खगोलविदों को मंद और दूर की आकाशगंगाओं और तारों की जांच करने में मदद करते हैं।
- इसमें असाधारण संवेदनशीलता भी होती है, जो इसे अत्यधिक धुंधले रेडियो संकेतों का भी पता लगाने की अनुमति देती है।
- टेलीस्कोप में शामिल हैं इसमें 66 उच्च-परिशुद्धता एंटेना शामिल हैं, जो उत्तरी चिली के अटाकामा रेगिस्तान में स्थित 16 किमी तक की दूरी तक फैले हुए हैं।
- इस स्थान को इसकी उच्च ऊंचाई और कम आर्द्रता के लिए चुना गया था, जो कारक पृथ्वी के वातावरण के कारण शोर को कम करने और सिग्नल क्षीणन को कम करने के लिए महत्वपूर्ण हैं।
- ALMA ने 2011 की दूसरी छमाही में वैज्ञानिक अवलोकन शुरू किए और पहली छवियां 3 अक्टूबर 2011 को प्रेस को जारी किया गया।
- ALMA ने खगोलविदों को महत्वपूर्ण खोज करने में मदद की है, जिसमें स्टारबर्स्ट आकाशगंगाएँ और सुपरनोवा 1987A के अंदर धूल निर्माण शामिल हैं।

भारतीय नवीकरणीय

प्रसंग

IREDA विदेशी मुद्रा में नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं को वित्तपोषित करने के

ऊर्जा विकास एजेंसी लिमिटेड (IREDA)

लिए गुजरात के गिफ्ट सिटी में एक कार्यालय स्थापित करने की योजना बना रहा है।

मुख्य विशेषताएं:

- GIFT सिटी, गांधीनगर स्थित कार्यालय को एक विदेशी कार्यालय के रूप में वर्गीकृत किया जाएगा, जिससे IREDA विदेशी मुद्रा हेजिंग लागत से बच सकेगा।
- सभी प्रमुख बहुपक्षीय और द्विपक्षीय एजेंसियां जैसे विश्व बैंक, केएफडब्ल्यू, जेआईसीए और एडीबी आदि ने आरई परियोजनाओं के लिए इरेडा के माध्यम से अपने फंड को चैनल करना पसंद किया, यह दर्शाता है कि आरई फंडिंग के लिए इरेडा शीर्ष विकल्प है।

इरेडा के बारे में:

- इरेडा, एमएनआरई के प्रशासनिक नियंत्रण के तहत एक मिनी रत्न (श्रेणी-1) कंपनी है ।
- इसकी स्थापना 1987 में अक्षय ऊर्जा (आरई) क्षेत्र के लिए एक विशेष गैर-बैंकिंग वित्त एजेंसी के रूप में काम करने के लिए की गई थी।
- 34 से अधिक वर्षों की तकनीकी-वाणिज्यिक विशेषज्ञता के साथ इरेडा आरई परियोजना वित्तपोषण में एक उत्प्रेरक की भूमिका निभाता है जो वित्तीय संस्थाओं/बैंकों को इस क्षेत्र में ऋण देने के लिए विश्वास देता है।
- इरेडा का मुख्यालय नई दिल्ली में स्थित है।

अंतर्राष्ट्रीय बौद्धिक संपदा (आईपी) सूचकांक 2023

प्रसंग

अंतर्राष्ट्रीय आईपी सूचकांक पर 55 प्रमुख वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं में भारत 42वें स्थान पर है। संयुक्त राज्य अमेरिका पहले स्थान पर है, उसके बाद यूके और फ्रांस का स्थान है।

अंतर्राष्ट्रीय बौद्धिक संपदा (आईपी) सूचकांक:

- यूएस चैंबर ऑफ कॉमर्स ग्लोबल इनोवेशन पॉलिसी सेंटर वार्षिक रूप से अंतरराष्ट्रीय बौद्धिक संपदा (आईपी) इंडेक्स प्रकाशित करता है।
- आईपी इंडेक्स दुनिया की 55 प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं(एक साथ वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद के लगभग 90% का प्रतिनिधित्व) में आईपी अधिकारों के संरक्षण का मूल्यांकन करता है।
- रिपोर्ट में पेटेंट और कॉपीराइट कानूनों से लेकर आईपी संपत्तियों के मुद्रीकरण की क्षमता और अंतरराष्ट्रीय समझौतों के अनुसमर्थन तक सब कुछ शामिल है।

- • वैश्विक बाजारों में आईपी परिदृश्य का विश्लेषण करके, सूचकांक का उद्देश्य राष्ट्रों को अधिक नवीनता, रचनात्मकता और प्रतिस्पर्धात्मकता द्वारा चिह्नित एक उज्ज्वल आर्थिक भविष्य की ओर नेविगेट करने में मदद करना है।

हिमालयन ग्रिफन्स

प्रसंग

हाल ही में, हिमालयन ग्रिफॉन को लगभग 15 वर्षों के बाद तराई वन रेंज के पत्रमपुर और बेल पाराओ रेंज में देखा गया।

मुख्य विशेषताएं:

- 1980 के दशक तक भारत में नौ विभिन्न प्रजातियों के 40 मिलियन गिद्ध थे। अब केवल 30,000 से 50,000 बचे हैं।
- देशव्यापी संरक्षण प्रयासों के तहत, बॉम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसाइटी ने हरियाणा, पश्चिम बंगाल, असम और मध्य प्रदेश में गिद्ध प्रजनन केंद्र बनाए हैं।

हिमालयन ग्रिफन्स के बारे में:

- हिमालयी गिद्ध (जिप्स हिमालयेंसिस) या हिमालयन ग्रिफॉन गिद्ध एक पुरानी दुनिया है
- यह गिद्ध हिमालय और आसपास के तिब्बती पठार के मूल निवासी हैं।
- •ऐसे गिद्धों को पुरानी दुनिया के गिद्ध के रूप में वर्णित किया गया है जो पुरानी दुनिया यानी यूरोप, एशिया और अफ्रीका के महाद्वीपों में पाए जाते हैं।
- वे Accipitridae परिवार से संबंधित हैं, जिसमें चील, गिद्ध, पतंग और बाज भी शामिल हैं।
- यह पुरानी दुनिया के दो सबसे बड़े गिद्धों और सच्चे शिकारी पक्षियों में से एक है।

प्राकृतिक आवास :

हिमालयी गिद्ध मुख्य रूप से हिमालय के उच्च क्षेत्रों और तिब्बती पठार में रहते हैं।

वितरण :

कजाकिस्तान, उज्बेकिस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान, अफगानिस्तान और ईरान से पाकिस्तान को भारत, नेपाल, भूटान से पश्चिमी चीन और मंगोलिया में वितरित।

संकट : हिमालयी गिद्ध डाइक्लोफेनाक द्वारा प्रेरित विषाक्तता के लिए अतिसंवेदनशील होते हैं।

संरक्षण की स्थिति :

IUCN- नियर थ्रेटेन्ड ।

चिप 4 एलायंस

प्रसंग

हाल ही में, "चिप 4" सेमीकंडक्टर गठबंधन ने वरिष्ठ अधिकारियों की अपनी पहली बैठक आयोजित की।

चिप 4 एलायंस:

- अमेरिका ने मार्च 2022 में चिप 4 गठबंधन का प्रस्ताव रखा।
- यह अर्धचालक आपूर्ति श्रृंखलाओं की "सुरक्षा" और "लचीलापन" बढ़ाने के उद्देश्य से व्यापक योजनाओं का हिस्सा था, जिसमें चीन में बने चिप्स पर दुनिया की निर्भरता को कम करने का लक्ष्य शामिल था।
- चिप 4 एलायंस में सेमीकंडक्टर्स के दुनिया के चार शीर्ष उत्पादक यू.एस., जापान, ताइवान और कोरिया शामिल हैं:

लक्ष्य :

- भौगोलिक रूप से चीन से दूर विनिर्माण क्षमता में विविधता लाना।
- सदस्य देशों की कंपनियों की बौद्धिक संपदा की रक्षा करना।
- चीन के संबंध में समान निर्यात नियंत्रणों का समन्वय करना।
- मित्र राष्ट्रों के बीच अनुकूल वितरण शर्तों को प्रोत्साहित करें।

कैविएट

प्रसंग

CJI ने मासिक धर्म की छुट्टी की मांग वाली याचिका में कैविएट दाखिल करने के लिए छात्रों को फटकार लगाई।

चेतावनी के बारे में:

- आम बोलचाल में, चेतावनी का अर्थ "चेतावनी" या "सावधानी" है।
- हालांकि, कानूनी रूप से यह एक "औपचारिक नोटिस है जो अदालत से अनुरोध करता है कि कैविएट दर्ज करने वाले व्यक्ति को पूर्व सूचना दिए बिना कुछ निर्दिष्ट कार्रवाई करने से परहेज करे।" कैवियट दर्ज करने वाले व्यक्ति को "कैविएटर" कहा जाता है।
- नागरिक प्रक्रिया संहिता (सीपीसी) की धारा 148ए, जिसे विधि आयोग की सिफारिश के बाद जोड़ा गया था और 1976 के संशोधन अधिनियम द्वारा जोड़ा गया था, इस पर मार्गदर्शन प्रदान करती है कि किसी व्यक्ति को कैविएट दाखिल करने का अधिकार कब है।
- हालांकि, "कैविएट " शब्द को कलकत्ता उच्च न्यायालय द्वारा "निर्मल चंद्र दत्ता बनाम गिरिंद्र नारायण रॉय" 1978 के निर्णय के अतिरिक्त कहीं भी स्पष्ट रूप से परिभाषित नहीं किया गया है

- यह कैवियट दर्ज करने वाले व्यक्ति द्वारा प्रोबेट या प्रशासन पत्र, जैसा भी मामला हो, के अनुदान के खिलाफ लिया गया एक एहतियाती उपाय है।

संत सेवालाल महाराज जयंती

प्रसंग

सरकार ,राष्ट्रीय स्तर पर पहली बार बंजारा समुदाय के प्रतीक संत सेवालाल महाराज जयंती की जयंती मना रही है।

मुख्य विशेषताएं:

- संस्कृति मंत्रालय द्वारा संत सेवालाल महाराज की 284वीं जयंती वर्ष भर मनाई जा रही है।
- सेवालाल महाराज का जन्म 15 फरवरी, 1739 को शिवमोग्गा जिले के सुरगोडनकोप्पा में हुआ था और उन्हें बंजारा समुदाय के एक समाज सुधारक और आध्यात्मिक शिक्षक के रूप में माना जाता था।
- ऐसा माना जाता है कि पूरे देश में इस समुदाय की आबादी लगभग 10 से 12 करोड़ है। कर्नाटक, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों में, सेवालाल महाराज एक श्रद्धेय व्यक्ति हैं, और उनकी जयंती हर साल मनाई जाती है।
- उनका अंतिम विश्राम स्थल या समाधि महाराष्ट्र के वाशिम जिले में पोहरादेवी में स्थित है, जिसे बंजारा काशी के नाम से भी जाना जाता है।

डेजर्ट फ्लैग अभ्यास

प्रसंग

भारतीय वायु सेना डेजर्ट फ्लैग VIII अभ्यास में भाग लेगी।

मुख्य विशेषताएं:

- डेजर्ट फ्लैग एक्सरसाइज एक बहुपक्षीय हवाई अभ्यास है जिसमें यूएई, फ्रांस, कुवैत, ऑस्ट्रेलिया, यूके, बहरीन, मोरक्को, स्पेन, कोरिया गणराज्य और यूएसए की वायु सेनाएं भी भाग लेंगी।
- 110 वायु योद्धाओं वाली एक भारतीय वायु सेना की टुकड़ी एक्सरसाइज डेजर्ट फ्लैग VIII में भाग लेने के लिए संयुक्त अरब अमीरात का एयरबेस अल धफरा पहुंच गई है ।
- आईएएफ पांच एलसीए तेजस और दो सी-17 ग्लोबमास्टर III विमान के साथ भाग लेगा। यह पहला अवसर है जब एलसीए तेजस भारत के बाहर अंतरराष्ट्रीय उड़ान अभ्यास में भाग लेगा।
- अभ्यास का उद्देश्य विविध लड़ाकू कार्यक्रमों में भाग लेना और विभिन्न वायु सेना के सर्वोत्तम अभ्यासों से सीखना है।

न्युट्रीनो

प्रसंग

जापान में कामिओका लिक्विड सिंटिलेटर एंटिन्यूट्रिनो डिटेक्टर (कामलैंड) को ऐसा कोई सबूत नहीं मिला कि न्यूट्रिनो स्वयं के एंटी-पार्टिकल्स हैं।

मुख्य विशेषताएं:

- न्यूट्रिनो ब्रह्मांड में दूसरा सबसे प्रचुर मात्रा में कण हैं। क्योंकि वे इतने सर्वव्यापी हैं, उनके गुणों का ब्रह्मांड की संरचना पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है।
- हाल ही में जापान में किए गए एक प्रयोग ने बताया कि उसे इस विचार का समर्थन करने के लिए "मजबूत सबूत" नहीं मिले कि न्यूट्रिनो अपने स्वयं के एंटीपार्टिकल्स हैं।
- इसने न्यूट्रिनो के कई रहस्यमय गुणों की व्याख्या करने का प्रयास करने वाले कुछ सिद्धांतों को खारिज कर दिया है। न्यूट्रिनो का द्रव्यमान भी अभी अज्ञात है ।
- प्रत्येक प्राथमिक कण में एक प्रतिकण होता है। यदि दोनों मिलते हैं, तो वे ऊर्जा की एक चमक में एक दूसरे को नष्ट कर देंगे।
- इलेक्ट्रॉन का विरोधी कण पॉज़िट्रॉन है। उन्हें अलग किया जा सकता है क्योंकि उनके विपरीत आरोप हैं।
- इसी तरह, न्यूट्रिनो में एंटी-न्यूट्रिनो होते हैं, लेकिन इलेक्ट्रॉनों के विपरीत, उनमें विद्युत आवेशों या अन्य विशिष्ट गुणों की कमी होती है जो उनके बीच आसानी से अंतर करने की अनुमति देते हैं।

MCQ, Current Affairs, Daily Pre Pare